योग विश्व समुदाय को भारत का अमूल्य उपहार: राष्ट्रपति

विश्व कल्याण का आधार है योग :मुख्यमंत्री

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हम भारत की उस महान योग परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता को स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग प्रदान किया है। योग विश्व समुदाय को हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल उपहार है। यह हमारे ऋषियों-मुनियों की हजारों वर्षों की साधना का परिणाम है। जिस भारतभूमि ने पूरे विश्व को योग का अमूल्य ज्ञान प्रदान किया, आज उसी पावन धरती से स्वास्थ्य, संतुलन, शांति और आत्मकल्याण का संदेश पुनः समस्त विश्व में प्रसारित किया जा रहा है।

जबलपुर। "योग स्वस्थ आयु के लिए" थीम पर राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम कलकत्ता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। साथ ही राज्य स्तरीय कार्यक्रम महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में जबलपुर के गैरीसन ग्राउंड में राज्यस्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कोलकाता से आयोजित कार्यक्रम का लोगो ने सजीव प्रसारण देखा व सुना।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को जीवन की सफलता का आधार माना गया है। योग उसी संतुलन को स्थापित करने का मार्ग है। 'योग' शब्द का अर्थ है जोड़ना व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से और सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व चेतना से जोड़ना। योग एक सशक्त माध्यम है, जो हमें आंतरिक शांति, संतुलन और सामूहिक कल्याण की दिशा में आगे बढ़ाता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब योग मानवता को शांति, संतुलन, समरसता और सामूहिक कल्याण का मार्ग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

योग को दिनचर्या में शामिल करें: राज्यपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि यह संपूर्ण जीवन को संतुलित, सरल और आनंदमयी बनाने की पद्धति है। भारतीय ज्ञान परंपरा ने स्वस्थ जीवन का जो मार्ग दिखाया था, आज पूरी दुनिया उसे अपना रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भारतीय योग को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्राणायाम के जरिए हम नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच को अपनाते हैं। ध्यान हमें अपने अंदर झांकने का अवसर देता है और मन की शांति प्रदान करता है।

वैश्विक शांति के लिए योग एकमात्र उपाय : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दुनियाभर में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम -योग फॉर हेल्दी एजिंग है। योग दिवस वैश्विक शांति और वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देता है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर यह सुखद संयोग बना है, इस वर्ष राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक नगरी कोलकाता से किया गया । दुनिया के करीब 2500 स्थानों पर योगाभ्यास किया , 210 से अधिक दूतावासों ने भी भागीदारी की । भारत ने योग के रूप में दुनिया को मानव कल्याण का उपहार सौंपा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदि देव शंकर और आष्टांग योग के प्रणेता महर्षि पतंजलि को नमन करते हुए कहा कि यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम संस्कारधानी जबलपुर में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति ने सदैव संसार को एक परिवार के रूप में देखा है। हमने कभी भौगोलिक सीमाओं तक अपनी सोच को सीमित नहीं किया है, अपितु विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम का अमर संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साथ-साथ सूर्य देव की कक्षा परिवर्तन का दिन भी है। आज से सूर्य देव उत्तरायण से दक्षिणायण की ओर से यात्रा प्रारंभ करते है। राष्ट्रपति मती द्रौपदी मुर्मु तथा राज्यपाल पटेल को मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रतीक चिन्ह भेंट किया व कार्यक्रम की शुरूआत व अंत में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, विधायक सर्व अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, मुख्य सचिव अनुराग जैन, मध्यप्रदेश तीर्थ क्षेत्र एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोंटिया, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, प्रदेश महिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, संभागायुक्त धनंजय सिंह, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा लगभग 5 हजार योग साधकों ने सहभागिता कर सामूहिक योगाभ्यास किया।

तबादला एक्सप्रेस

एक पद की कीमत 7 लाख, करोड़ों के खेल की चर्चा

237 आवेदन लंबित, 15 फीसदी स्थानांतरण की तैयारी के बीच वसूली के आरोप

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में तबादला उद्योग... ?

- भोपाल वल्लभ भवन से संचालित होने की चर्चा
- नए वित्तीय अधिकारी की भूमिका पर भी निगाहें

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में स्थानांतरण प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार, तबादलों की इस प्रक्रिया ने कथित तौर पर 'तबादला उद्योग' का रूप ले लिया है। मनचाही और मलाईदार पोस्टिंग के लिए लाखों रुपये की लेन-देन की चर्चाएं कंपनी के गलियारों में जोरों पर हैं। आरोप है कि एक पसंदीदा पोस्टिंग के लिए करीब 7 लाख रुपये तक की कीमत तय की गई है।

सूत्रों के मुताबिक, कंपनी में वर्तमान में स्थानांतरण के लगभग 237 आवेदन लंबित हैं। मुख्यमंत्री की स्थानांतरण नीति के अनुसार कनिष्ठ अभियंता (जेई) से लेकर चीफ इंजीनियर स्तर तक अधिकतम 15 प्रतिशत अधिकारियों और कर्मचारियों के ही स्थानांतरण किए जा सकते हैं। पूर्व क्षेत्र कंपनी में लगभग 700 अधिकारी पदस्थ बताए जा रहे हैं, ऐसे में सीमित संख्या में होने वाले तबादलों के कारण मलाईदार पदों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि प्रभावशाली अधिकारी और कर्मचारी अपनी पसंदीदा पोस्टिंग के लिए सक्रिय हैं। सूत्रों का दावा है कि स्थानांतरण सूची तैयार कर ली गई है, लेकिन इसे अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसकी एक वजह कथित तौर पर लेन-देन के पूरे मामले का अंतिम रूप से तय नहीं हो पाना भी बताई जा रही है।

करोड़ों के खेल की आशंका

यदि एक पोस्टिंग के लिए 7 लाख रुपये तक की कथित मांग के आरोपों को आधार माना जाए, तो पूरी स्थानांतरण प्रक्रिया में करोड़ों रुपये के लेन-देन की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि कर्मचारियों और अधिकारी वर्ग में भी असंतोष की स्थिति बताई जा रही है।

उठ रहे बड़े सवाल

- 237 लंबित आवेदनों का निराकरण अब तक क्यों नहीं हुआ?
- क्या स्थानांतरण सूची पहले से तैयार कर ली गई है?
- 15 फीसदी की सीमा के भीतर चयन का आधार क्या होगा?
- मलाईदार पोस्टिंग के लिए वसूली के आरोपों की जांच कौन करेगा?
- मुख्य वित्तीय अधिकारी की नई नियुक्ति का उद्देश्य क्या है?
- क्या ऊर्जा विभाग इन आरोपों की स्वतंत्र जांच कराएगा?

भोपाल से संचालित होने की चर्चा

विभागीय हलकों में यह चर्चा भी है कि पूरा खेल भोपाल स्थित मुख्यालय वल्लभ भवन से संचालित हो रहा है। मुख्यालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वहीं आरोप हैं की जबलपुर शक्ति भवन के जिम्मेदार अधिकारी को वसूली की कमान सौंपी गई है।

नहीं उठा फोन

यह पूरा मामला गंभीर आरोपों से जुड़ा है। इस मामले में कंपनी के एम डी अजय गुप्ता से बात करना चाही तो उनका मोबाइल नंबर 9406915500 नो रिप्लाई हुआ यही नहीं कंपनी की सीजीएम एच आर सम्पदा सराफ से भी बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका मोबाइल नंबर 8871038700 भी नो रिप्लाई हुआ। बहरहाल कहा जा रहा है की यदि आरोप निराधार हैं तो विभाग को स्थानांतरण प्रक्रिया, लंबित आवेदनों की स्थिति और चयन के मापदंड सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

सीजीएचएस की सभी डिस्पेंसरियों में उपलब्ध रहेंगी जीवन रक्षक दवाएं

जबलपुर। केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की डिस्पेंसरी क्रमांक-4 में प्रभारी अधिकारी डॉ. आर.पी. रावत की अध्यक्षता में आयोजित मासिक बैठक में वरिष्ठ नागरिकों और लाभार्थियों की स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में जबलपुर की विभिन्न वरिष्ठ नागरिक संस्थाओं के सलाहकार प्रतिनिधि मृगेन्द्र नारायण सिंह, गुरमुख दास तलरेजा, अनिल शुक्ला, किशन लाल, एस. बोस, सुरेंद्र तिवारी, नरेंद्र कोचर, राजेश सोनी एवं कंधी लाल विश्वकर्मा उपस्थित रहे। हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल ने सीजीएचएस के अपर निदेशक डॉ. ए.के. सुधांशु से मुलाकात कर जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। इस पर डॉ. सुधांशु ने नगर की सभी सीजीएचएस डिस्पेंसरियों में आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। बैठक के समापन पर डिस्पेंसरी स्टाफ प्रदीप सिंह ने सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में मनोज कुमार, लव डांगी, जितेंद्र कुमार, प्रदीप सिंह, आनंद कुमार, रवि दहायत, गोपाल भट्ट, हेमराज आर्मो आदि उपस्थित रहे।

फर्जी भू-स्वामी और नकली दस्तावेजों के सहारे रचा गया कथित फर्जीवाड़ा

मौत के बाद भी जिंदा बनाकर बिकती रही जमीन

जबलपुर। शहर में जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़ा एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। आरोप है कि वर्षों पहले मृत हो चुकी महिला को दस्तावेजों में जीवित दर्शाकर उसकी करीब 1.63 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन बेच दी गई और एक व्यापारी से 76 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली गई। मामले की जांच के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार ग्वारीघाट बड़ा फुहारा निवासी व्यापारी दीपक कुमार टीबड़ेवाला वर्ष 2023 में निवेश के उद्देश्य से जमीन की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात रेखा गुप्ता और आईटीआई तलैया निवासी तस्लीम कुरैशी से हुई। आरोप है कि दोनों ने अधारताल के पुरवा पगार क्षेत्र स्थित लगभग 37,660 वर्गफुट जमीन को बिक्री के लिए उपलब्ध बताते हुए सौदा कराया। जांच में सामने आया कि उक्त भूमि राजस्व रिकॉर्ड में फूलमती पति स्वर्गीय दोनीलाल के नाम दर्ज थी। हालांकि बाद में पता चला कि फुलमती का कई वर्ष पहले निधन हो चुका था। इसके बावजूद कथित रूप से कमला सेन नामक महिला को फुलमती बताकर दस्तावेज तैयार किए गए और उसे वास्तविक भू-स्वामी के रूप में प्रस्तुत किया गया।

आधार कार्ड में बदलाव कर बनाई गई नई पहचान

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने कथित तौर पर कमला सेन के आधार कार्ड में संपादन कर उसके नाम के स्थान पर फुलमती का नाम दर्ज कराया। इसके बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन का सौदा आगे बढ़ाया गया।

76 लाख रुपये लेकर किया गया सौदा

पुलिस के मुताबिक 17 अप्रैल 2023 को सौदे के तहत करीब 41 लाख रुपये का भुगतान चेक के माध्यम से किया गया, जबकि लगभग 10 लाख रुपये नकद और अन्य भुगतान मिलाकर कुल 76 लाख रुपये आरोपियों को दिए गए।

जमीन की पड़ताल में खुला राज

सौदे के बाद दस्तावेजों को लेकर संदेह होने पर व्यापारी ने स्वयं राजस्व अभिलेखों और अन्य रिकॉर्ड की जांच कराई। जांच में पता चला कि जिस महिला के नाम पर जमीन बेची जा रही थी, उसका पहले ही निधन हो चुका था। इतना ही नहीं, जिस नाम से भू-स्वामी बताई गई वह महिला सामने आई, उसका वास्तविक स्वामित्व से कोई संबंध नहीं पाया गया।

तीन आरोपियों पर एफआईआर

दस्तावेजों के सत्यापन और जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने रेखा गुप्ता, तस्लीम कुरैशी और कमला सेन के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना, फर्जी दस्तावेज तैयार करने तथा आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क और संभावित अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

मां बेटे के विवाद में कूदे मामा के साथ भांजे और बहू ने की मारपीट

जबलपुर। गोरखपुर थानांतर्गत कल रात बहन के घर गये रिटायर्ड फेक्टरी कर्मी अपनी बहन और भांजे के विवाद के बीच में बोलना भारी पड़ गया । बहन से विवाद कर रहे भांजे को मना करने पर भांजे की पत्नी व उसकी बड़ी बहन व भांजे के साले ने गालीगलौज की । गालियां देने से मना करने पर भांजे की पत्नी ने फेक्टरी कर्मी की आंख के ऊपर भौंह मे मोबाइल से हमला क र चोट पहुंचा दी । तभी फेक्टरी कर्मी का बेटा बीचबचाव करने लगा तो भांजे की साली व उसके साले ने उसके साथ पत्थरों से हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाई। गोरखपुर पुलिस ने बताया कि एमजीएम स्कूल सेठीनगर निवासी जान डेविड कल अपनी बहन उमा सिंह के घर गया था। जहां उसने देखा कि बहन का बेटा मां के साथ विवाद कर रहा था। डेविड ने अपने भांजे सुप्रिय सिंह को समझाया तो इसी बात पर उसकी पत्नी नेहा सिंह व उसकी बड़ी बहन निकिता सिंह व निकिता का भाई अभिषेक थामस तीनों उसके साथ गालीगलौज करने लगे । मना करने पर नेहा सिंह ने अपने मोबाइल फोन से मामा ससुर डेविड की आंख के ऊपर हमला कर भौंह पर गंभीर चोट पहुंचा दी । तभी डेविड के बेटे जय डेविड ने बीचबचाव किया तो निकिता सिंह व उसके भाई अभिषेक थामस ने उस पर पत्थरों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

करो योग रहो निरोग का दिया संदेश

जगह-जगह मनाया गया योग दिवस

सिहोरा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गये। जिसमें सभी ने जगह जगह करो योग रहो निरोग का संदेश दिया। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा स्वरूप और आयूष विभाग के सौजन्य से सांदीपनि पंडित विष्णु दत्त उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा में संध्या दिलीप दुबे नगर पालिका परिषद अध्यक्ष,रीता शुक्ला पार्षद,अशोक कुमार उपाध्याय प्राचार्य, शैलेन्द्र कुमार मिश्रा उप प्राचार्य एंव विद्यालय के शिक्षक,शिक्षिकाओं तथा बच्चों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। जिसमें प्रोटोकॉल के अनुसार सुबह 6 बजे से 7.45 तक योग,आसन और ध्यान की गतिविधियों को बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर शिक्षक अमित जैन,संदीप सोनी,अरविंद लोधी,अशोक राय, सुधा उपाध्याय, सविता पटेल, रामबरन हल्दकार, नीरज जयसवाल, प्रवीण कुमार पांडे, गौरव दाहिया, संजय दुबे, संदीप तिवारी, नवीन यादव,घनश्याम गुप्ता प्रियंका कोरी आदि का सहयोग रहा।

जैन महिला परिषद का आयोजन

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद पार्श्वनाथ शाखा सिहोरा चन्दना संभाग के द्वारा योग दिवस कार्यक्रम बड़े जैन मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया जिसमें बच्चों व महिलाओं के लिए योग प्रतियोगिता का आयोजन नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दुबे की उपस्थिति एवं सुषमा कर्चुली के सानिध्य में किया गया। जिसमें। प्रथम,द्वितीय,तृतीय आने वाले बच्चों को पुरस्कार दिए गए सफल बनाने में अध्यक्ष संध्या जैन,रानी जैन,दीप्ति जैन आदि का योगदान रहा।

शासकीय यशोदा बाई खितौला

शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार में योग दिवस का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य जे.एल.खांडे के निर्देशन में तथा योग प्रभारी बलराम बर्मन, अंजना श्रीवास्तव की उपस्थिति में किया गया। विद्यालय में उपस्थित जनों ने विभिन्न योग क्रियाओं,आसनों और ध्यान (मेडिटेशन) की गतिविधियों को बेहद उत्साह के साथ किया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य दीप्ति सिंह बैस सहित समस्त शिक्षक एंव शिक्षिकाएं विद्यार्थी उपस्थित थे।

सब जेल सिहोरा मे योग दिवस

सब जेल सिहोरा में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में योग सप्ताह के समापन पर योग कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति श्री संतोष कुमार कोल, अपर सत्र न्यायाधीश श्री एस. एस.झा,न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री विशाल रिछारिया,श्रीमती रूपा मिश्रा एवं श्रीमती हिमांशी ठाकुर भारद्वाज,जेलर दिलीप नायक उपस्थित रहे।

जय जिनेंद्र सेवा समिति ने पमरे जीएम का शॉल, श्रीफल से किया सम्मान

जबलपुर। जय जिनेंद्र सेवा समिति एवं अंतर्राष्ट्रीय मानव मिलन संस्था जबलपुर द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप सिंह का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर हार्दिक अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समिति द्वारा जबलपुर रेलवे स्टेशन पर संचालित निःशुल्क प्याऊ एवं निःशुल्क बैटरी कार सेवा की जानकारी भी प्रदान की गई। महाप्रबंधक को बताया गया कि इन सेवाओं के माध्यम से यात्रियों को निरंतर सुविधा एवं सेवा उपलब्ध कराई जा रही है, संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, समर्पण एवं रेलवे सेवाओं में योगदान की सराहना की तथा उनके उज्जवल एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर जय जिनेंद्र सेवा समिति एवं अंतर्राष्ट्रीय मानव मिलन संस्था जबलपुर के अध्यक्ष मयूर संघवी, फाउंडर तपस्वी लालजी बाघमार, मांगीलाल चोपड़ा, सुधीर मेहता, अतुल ओसवाल, गोपाल, हेमंत, महेश रजक इत्यादि सदस्यगण मौजूद रहे।

बिजली कटौती को लेकर बसपा ने दी प्रदर्शन की चेतावनी

जबलपुर। इंदिरा मार्केट स्थित विद्युत कार्यालय में बिजली कटौती की समस्या को लेकर 19 जून को बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता सिकंदर अली के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता और ठक्कर ग्राम वार्ड के लोग पहुंचे। सिकंदर अली ने बताया कि बीती रात से बंद बिजली दिन भर नहीं आई, जिससे लोगों में बहुत गुस्सा है और इस तेज गर्मी में महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग परेशान रहे। इस दौरान बिजली कर्मचारियों ने फोन तक नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि ठक्कर ग्राम में सालों पुराना ट्रांसफार्मर और झूलती हुई तारें भविष्य में जान-माल के लिए बड़ा खतरा हैं। बसपा नेता सिकंदर अली ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द से जल्द ठक्कर ग्राम की बिजली समस्या ठीक नहीं हुई, तो वे वार्ड के लोगों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन करेंगे। घेराव के दौरान बिजली अधिकारियों ने जल्द ही नया ट्रांसफार्मर लगाने और व्यवस्था ठीक करने का भरोसा दिया। इस मौके पर उनके साथ मकबूल, अजीज, इकबाल हुसैन, निजाम, अखिल, तौसीफ, निजामुद्दीन, शफीक, मोहसिन, इरफान और इमरान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर युवा कांग्रेस ने विक्टोरिया अस्पताल में फल बांटे

जबलपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया के निर्देश पर जबलपुर युवा कांग्रेस द्वारा सेवा और उत्सव के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विक्टोरिया अस्पताल पहुंचकर मरीजों और उनके परिजनों के बीच फल वितरित किए तथा केक काटकर राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं, किसानों और आमजन की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य कर रहे हैं। जन्मदिन के अवसर पर विक्टोरिया अस्पताल में फल वितरण जैसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का समापन केक काटने और सभी उपस्थित लोगों को मिठाई वितरित करने के साथ हुआ। इस अवसर पर अभ्युत अतुल बाजपेयी, नितिन सिंह, सौरभ यादव, नीलेश जैन (नीटू), शिशांत सिंह ठाकुर, प्रवीन चौधरी, शुभम बोहित, आशु दुबे, अदील अहमद, अतुल डोंगरे, नयन गुप्ता, मोहम्मद दानिश खान, जकी मंसूरी आदि उपस्थित रहे।

महाकोशल चेम्बर ने सिविक सेंटर को बेहतर बनाने दिए सुझाव

जबलपुर। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री सभागार में संपन्न हुई सिविक सेंटर क्षेत्र के व्यापारियों एवं कारोबारियों की बैठक में उपस्थित लोगों ने सिविक सेंटर व्यापारिक क्षेत्र की समस्याओं पर खुलकर विचार रखे एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से निवारण के सुझाव भी दिए। चेम्बर मानसेवी मंत्री अखिल मिश्र ने बताया कि विगत दिवस जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप जैन से सिविक सेंटर क्षेत्र को बेहतर बनाने सुझाव मांगे गए थे, इसी संबंध में चेम्बर द्वारा आयोजित बैठक में व्यवसाइयों ने बताया कि क्षेत्र में नानवेज की बिक्री को तत्काल बंद किया जाए, क्योंकि नानवेज की बिक्री से क्षेत्र में अत्यंत दुर्गंध, गंदगी तथा असामाजिक तत्वों की उपस्थिति से ग्राहकों का आना बंद होता जा रहा है। गार्डन की बाउंडरी से लगकर मार्किंग की गई पार्किंग की जगह पर ठेलों के जमघट से गाड़ियां सड़क पर पार्क की जाती हैं, जिससे आये दिन जाम की स्थिति बनती है। इसी प्रकार जेडीए बिल्डिंग 10 के पीछे दुकानदारों के टू-व्हीलर पार्किंग स्थल पर रंगदारों द्वारा सामान रखा जा रहा है एवं यहां शौचालय पर भी असामाजिक तत्वों का कब्जा है।

जीआरपी ने शांति भंग करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

जबलपुर। शनिवार रात्रि लगभग 02:20 बजे स्टेशन ड्यूटी के दौरान प्लेटफार्म क्रमांक 01 पर कटनी छोर की ओर एक व्यक्ति द्वारा आने-जाने वाले यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज एवं विवाद कर शांति भंग की जा रही थी। उक्त व्यक्ति के व्यवहार से यात्रियों में भय एवं असुविधा की स्थिति उत्पन्न हो रही थी तथा विवाद बढ़कर अप्रिय घटना का रूप ले सकता था। मौके पर उपस्थित जीआरपी स्टाफ द्वारा तत्काल हस्तक्षेप कर संबंधित व्यक्ति को समझाइश दी गई, किन्तु उसके द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने वाली गतिविधियां जारी रखने पर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम संदीप उर्फ गज्जी पिता भारत वामने, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम खिरकिया, थाना छीपावद, जिला हरदा, हाल पता अन्ना मोहल्ला, थाना सिविल लाइन, जिला जबलपुर बताया।आरोपी के विरुद्ध शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु इस्तगासा क्रमांक 102/26 के तहत धारा 170, 126(बी), 135(3) बीएनएसएस के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई तथा उसे एसडीएम, रांझी संभाग, जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की बैठक संपन्न, अगस्त में होगी जर्नलिस्ट मीट

जबलपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की जिला इकाई एवं कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय, प्रदेश, संभाग एवं जिला स्तर के वरिष्ठ तथा नव-नियुक्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की गतिविधियों, पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों तथा आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से आगामी अगस्त माह में जर्नलिस्ट मीट आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही जिला इकाई को और अधिक सशक्त बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर व्यापक सदस्यता अभियान चलाने तथा संगठन के विस्तार एवं मजबूती के लिए विशेष प्रयास किए जाने पर सहमति बनी।बैठक में पत्रकारिता के समक्ष मौजूद चुनौतियों पर भी गंभीर चर्चा हुई। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद लंबे समय से पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हाल के समय में फर्जी पत्रकारों का मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है, जिस संबंध में परिषद पूर्व में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को भी अवगत करा चुकी है।पदाधिकारियों ने कहा कि आने वाले समय में इस विषय पर और गंभीरता से विचार-विमर्श किया जाएगा तथा प्रभावी कार्रवाई और ठोस रणनीति के साथ कार्य करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। परिषद ने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता की आड़ में किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधि स्वीकार्य नहीं होगी और ऐसे मामलों के विरुद्ध संगठन हमेशा सजग एवं सक्रिय रहेगा।बैठक के अंत में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने तथा पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

अनुकम्पा नियुक्ति के नियमों को शिथिल किया जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि प्रदेश के सभी विभागों में राज्य कर्मचारियों के लिए अनुकम्पा नियुक्ति के नियम जटिल होने के कारण किसी भी कर्मचारी की अकास्मिक मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को विभिन्न प्रकार के कठिन नियमों से गुजरना पड़ता है जिसकी वजह से उन्हें अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है जिसका परिणाम यह होता है कि मृत कर्मचारी के परिजनों को दफ्तरों के चक्कर पर चक्कर काटना पड़ता है और समय-समय पर उनका आर्थिक शोषण होता रहता है जिससे कर्मचारियों के परिजनों में रोष बना रहता है। अतः मध्य प्रदेश शासन को राज्य के कर्मचारियों के लिए अनुकम्पा नियुक्ति के नियमों को शिथिल करना चाहिए। संघ आगे बताया कि नियमों में जटिलता होने के कारण मृत कर्मचारियों के परिजनों को तथाकथित बिचौलियों के द्वारा गुमराह किया जाता है जिस वजह से कई बार कर्मचारी के परिजनों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है, इसके बावजूद भी समय पर उन्हें अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ नहीं मिल पाता है।

जीआरपी मदनमहल ने डांट से घर से भागी नाबालिग को किया परिजनों के सुपुर्द

जबलपुर। रात्रि के समय थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत जीआरपी थाना जबलपुर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि एक 16 वर्षीय लड़की जिसका नाम पूजा अहिरवार है, जो अपने घर पचमढ़ी से बिना बताये कहीं चली गई है, जिसकी तलाश स्टेशन क्षेत्र में करना है, सूचना पर दिनांक 19.06.2026 को रात्रि में स्टेशन मदनमहल में स्टेशन चैकिंग के दौरान प्लेटफार्म नं. 01 पर उक्त फोटो हुलिया व नाम की किशोरी बैठी मिली जिससे पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम पूजा अहिरवार निवासी पचमढ़ी जिला नर्मदापुरम की रहने वाली बताई, जिसके परिजनों को बच्ची के संबंध में सूचना दी गई, तो बच्ची के पिता सुनील अहिरवार द्वारा बताया गया कि मेरी बच्ची सुबह

05 बजे घर से बिना बताये कहीं चली गई है, जिसकी रिपोर्ट मैंने पुलिस थाना पचमढ़ी में की है, जिस पर पुलिस थाना पचमढ़ी से संपर्क किया गया, जिनके द्वारा बताया गया कि उक्त बालिका पूजा अहिरवार का हमारे यहां क्र. 25/26 धारा 137 (2) BNS का अपराध पंजीबद्ध है, आप लोग बच्ची को चौकी में सही सलामत सुरक्षा में बैठायें, हम लोग अपना स्टाप भेज रहे हैं, जो दिनांक 20.06.2026 को उपरोक्त बालिका के परिजन माता-पिता एवं मामा तथा पुलिस थाना पचमढ़ी का पुलिस स्टाप चौकी में उपस्थित हुआ, जिनको बालिका को सकुशल सुपुर्द किया गया।

उक्त कार्यवाही पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुन्दर सिंह कनेश के कुशल मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर भावना मरावी एवं उप पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुश्री अंकिता सुल्या के निर्देशन में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत एवं उनकी टीम सउनि जे.एस. धुर्वे, प्र.आर. संदीप त्रिपाठी, प्र.आर. संतोष उरमलिया, अनुराग तिवारी, रत्नेश यादव, आरक्षक- कंपनी कुमार, मनीष शर्मा, अनुराग शर्मा, रामेशवर दांगी एवं महिला आर. काजल सिंह व अंजली राजपूत द्वारा की गई।

आर्केस्ट्रा एमसन के अरविंद सरावगी सम्मानित

सिहोरा। संगीत और शब्दों की दुनिया में ऐसे व्यक्तित्व होते हैं जिनकी वाणी में और शब्दों में स्वरों की मधुरता और शायरी से दिल को छू लेने वाली आत्मीयता समाई होती है।अंदाज ए बयां ऐसा की महफिल सवर जाए,लबों से निकले लफ्ज़ जो दिल में उतर जाए, विलक्षण मंच संचालक आर्केस्ट्रा एम सन के सूत्रधार 47 वर्षों से मंच संचालन की कला को नई पहचान देने वाले मध्य भारत के जाने माने एनाउंसर देश-विदेश में अनेक प्रोग्रामों में सिहोरा के मील के पत्थर बने अरविंद सरावगी का संत श्री सियावल्लभ दास वेदांती महाराज,नित्यनिरंजन खम्परिया पूर्व विधायक,डॉ अरुणा पांडे, वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक ने सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया। इसी तरह ढोलक नवाज सपन कुमार,गिटारिस्ट विष्णु रैकवार भी अपनी कला विधा के लिए सम्मानित हुए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन

मझौली। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम मंडल मझौली के द्वारा एवं नगर ग्रामीणों में भी एवं कन्या शाला स्कूल सदीपनी विद्यालय, मझौली, जबलपुर के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:00 बजे हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवा निवृत्त पूर्व शिक्षक शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य द्वारा की गई। योग प्रशिक्षण का कार्य कुशल योग प्रशिक्षक महेन्द्र तिवारी द्वारा किया गया। उनके निर्देशन में सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने क्रमानुसार विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन एवं प्राणायाम आदि का सामूहिक रूप से अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी सुनाया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों में योग के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त *विद्यार्थीगण एवं शिक्षक-शिक्षिकाएँ* उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम अनुशासित एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन ने सभी को 'स्वयं और समाज के लिए योग' के संदेश से प्रेरित किया।

श्री घनश्याम पटेल- पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री घनश्याम पटेल का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रितेश रैकवार- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री राधेश्याम रैकवार के पुत्र श्री रितेश रैकवार (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमन पटेल- बागड़ा दफाई पोलीपाथर निवासी श्री तेज सिंह पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन पटेल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पुरूषोत्तम सिंह राजपूत- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री पुरूषोत्तम सिंह राजपूत (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला बाई- पटपरा रेलवे स्टेशन के पास कटनी निवासी श्री के. नत्थूलाल की धर्मपत्नी श्रीमती लीला बाई (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रवि कुमार मेश्राम- करियापाथर आचार्य विनोबा भावे

वार्ड निवासी श्री रवि कुमार मेश्राम (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री मनोज कुमार रजक- पेंटीनाका सदर निवासी श्री मनोज कुमार रजक (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. अंजली सोनी- हनुमानताल शुक्रवारी बजरिया निवासी श्री राजेश सोनी की पुत्री कु. अंजली सोनी (15) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री अनिल- सर्वोदय के पीछे कांचघर निवासी श्री अनिल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लालजी कोल- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री जुगल किशोर कोल के पुत्र श्री लालजी कोल (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री नारायण सिंह मरावी- राजीव नगर कटंगा निवासी श्री दशरथ सिंह मरावी के पुत्र श्री नारायण सिंह मरावी (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
[illegible]/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज 1x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

लगातार राखड़ डंप करने की वजह से बांध के तटबंध के एक हिस्से पर बढ़ गया दबाव

गोढ़ी राखड़ बांध का तटबंध क्षतिग्रस्त, आसपास फैला राखड़युक्त पानी

आसपास के नागरिकों ने मरम्मत में कोताही का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज : कोरबा। डीएसपीएम संयंत्र के गोढ़ी स्थित राखड़ बांध के तटबंध का एक हिस्सा अचानक क्षतिग्रस्त हो गया। बांध के तटबंध टूटने से आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में राखड़युक्त पानी फैल गया। दरअसल बांध में लगातार राखड़ डंप करने की वजह से बांध के तटबंध के एक हिस्से में दबाव बढ़ गया और वहां से राखड़युक्त पानी का रिसाव होने लगा। समय पर मरम्मत नहीं होने और लगातार राखड़ डंप होने की वजह से तटबंध टूट गया। राखड़ बांध के तटबंध टूटने की सूचना मिलने पर संयंत्र प्रबंधन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और आनन फानन में मरम्मत कार्य शुरु कराया गया। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के 500 मेगावाट क्षमता वाले डीएसपीएम संयंत्र से उत्सर्जित राखड़ के विस्थापन के लिए गोढ़ी के समीप राखड़ बांध का निर्माण किया गया है जिसके लिए आसपास के ग्राम गोढ़ी, नकटीखार, पंडरीपानी के किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया गया था। राखड़ बांध के आसपास के क्षेत्रों में अब भी किसान फसल उगाते हैं। रविवार को अचानक राखड़ बांध के तटबंध का एक हिस्सा भरभराकर टूट गया। दरअसल लगातार रेजिंग कर राखड़ बांध की ऊंचाई बढ़ाने और राखड़ डंप करने की वजह से तटबंध का यह हिस्सा कमजोर हो गया था। तटबंध टूटने से आसपास के क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। भारी मात्रा में राखड़युक्त पानी आसपास के क्षेत्रों में फैल गया। घटना के बाद राखड़ बांध निर्माण और रखरखाव में बरती गई कथित लापरवाही तथा अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार राखड़ बांध की स्थिति को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जा रही थीं लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते आवश्यक मरम्मत और सुरक्षा उपायों पर ध्यान नहीं दिया।

मरम्मत कार्य पूरा

राखड़ बांध के तटबंध में माइनर लिकेज आ गया था। कुछ ही समय पर उस पर नियंत्रण पा लिया गया। मरम्मत कार्य पूरा कर लिया गया है। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

-**विनय सोनी**, कार्यपालन अभियंता सिविल संभाग-2 एयू एण्ड पीसी

पहले भी टूटा था बांध का तटबंध

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के राखड़ बांध क्षतिग्रस्त होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगभग एक माह पूर्व ही एचटीपीएस संयंत्र के झाबू स्थित राखड़ बांध का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था इसके बावजूद अधिकारियों ने सबक नहीं लिया और लापरवाहीपूर्वक राखड़युक्त पानी का हसदेव नदी में विस्थापन कर दिया था। नदी का जल प्रदूषित होने से शहर के कई हिस्सों में जल आपूर्ति भी बाधित हो गई थी। इसे लेकर जल संसाधन विभाग ने संयंत्र प्रबंधन के खिलाफ 18 करोड़ का जुर्माना ठोंका था। हद तो तब हो गई जब घटना के बाद भी सिविल विभाग के अधिकारियों ने संजीदगी नहीं दिखाई और राखड़ बांध में लगातार राखड़ डंप किया जाने लगा। यही वजह है कि कुछ दिनों एक बार फिर झाबू राखड़ बांध के तटबंध का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हस हादसे में एक ठेका श्रमिक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो मजदूरों ने भाग कर अपनी जान बचाई थी।

अगर आप सोचते हैं कि सांप अकेले रहने वाले जीव हैं तो आपकी धारणा पूरी तरह गलत है। कनाडा के मनिटोबा प्रांत के ग्रामीण इलाके में हर साल वसंत ऋतु में सांपों का ऐसा भयानक मेला लगता है कि देखने वाले की रूह कांप जाती है।

यहां लगता है सांपों का 'कुंभ मेला', हर साल जमा हो जाते हैं लाखों सांप

वसंत से ग्रीष्मकाल तक चलता है सांपों का मेला

ओटावा। लाखों सांप एक साथ जमा होकर गुफाओं, गड्ढों और चट्टानों में रोमांस करते नजर आते हैं। यह दुनिया के सबसे अनोखे वाइल्डलाइफ फेनोमेना में से एक है। मनिटोबा के नार्सिस इलाके में स्थित सांपों की ये प्रसिद्ध डेंस (गुफाएं) हर साल अप्रैल-मई में सक्रिय हो जाती हैं। यहां रेड-साइडेड गार्टर स्नेक की लाखों संख्या में भीड़ जमा होती है। पूरे साल ये सांप बिखरे रहते हैं, लेकिन प्रजनन के मौसम में वे अपने-अपने ठिकानों से निकलकर एक जगह इकट्ठा हो जाते हैं।

वसंत का नजारा

मनिटोबा का यह क्षेत्र सांपों के लिए आदर्श है, क्योंकि यहां सर्दियों में गहरी गुफाएं उपलब्ध हैं, जहां सांप हाइबरनेशन (सोहना) करते हैं। वसंत में जब तापमान बढ़ता है तो वे बाहर निकलते हैं, मेटिंग करते हैं और फिर अपने-अपने इलाकों में बिखर जाते हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं— 'ये तो सांपों का स्वर्ग है', 'देखकर ही डर लग रहा है', 'प्रकृति कितनी अनोखी है'। कुछ यूजर्स मजाक भी उड़ा रहे हैं कि 'सांपों को भी मेला लगाना आता है'।

इस जगह की सुरक्षा और संरक्षण पर खास ध्यान

विशेषज्ञ बताते हैं कि गार्टर स्नेक जहरीले नहीं होते हैं। इनका काटना इंसानों के लिए खतरनाक नहीं है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या देखकर किसी की भी हिम्मत जवाब दे सकती है। इन सांपों का रंग काला होता है और शरीर पर लाल या पीले धब्बे दिखते हैं, जिस वजह से उन्हें रेड-साइडेड गार्टर स्नेक कहा जाता है। कनाडा सरकार और स्थानीय वाइल्डलाइफ विभाग इस जगह की सुरक्षा और संरक्षण पर खास ध्यान देते हैं। यहां सांपों को परेशान करने या पकड़ने पर भारी जुर्माना लगाया जाता है।

क्या है ये मेटिंग?

वैज्ञानिकों के अनुसार यह दुनिया का सबसे बड़ा सांपों का प्राकृतिक समागम माना जाता है। एक ही गड्ढे में हजारों सांप आपस में गांठें बनाकर मेटिंग करते दिखते हैं। नर सांप मादा सांप को घेर लेते हैं और एक-दूसरे पर चढ़कर मिलन की कोशिश करते हैं। इस दौरान पूरा क्षेत्र सांपों से पट जाता है। पर्यटक दूर से ही इस नजारे को देखने आते हैं। स्थानीय प्रशासन ने इस जगह को पर्यटन स्थल बना दिया है। यहां व्यूइंग प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं, ताकि लोग सुरक्षित दूरी से सांपों को देख सकें। हर साल हजारों पर्यटक और वाइल्डलाइफ प्रेमी यहां पहुंचते हैं।

रोचक खबरें

भारत का वो इकलौता शहर, जहां अंडा बेचना भी है जुर्म, सीधा जाना पड़ सकता है जेल

अहमदाबाद। भारत में कई पवित्र और धार्मिक शहर हैं जैसे वाराणसी और ऋषिकेश। लेकिन, गुजरात के भावनगर जिले में स्थित पालिताना ने एक ऐसा कदम उठाया जो दुनिया के किसी शहर ने नहीं लिया था। साल 2014 में यह दुनिया का पहला ऐसा शहर बन गया, जहां मांस, मछली और अंडे की बिक्री और सेवन पर पूरी तरह से कानूनी प्रतिबंध लगा दिया गया। पालिताना शत्रुंजय पहाड़ियों पर बसा हुआ है, जहां 900 से अधिक जैन मंदिर मौजूद हैं। साल 2014 में करीब 200 जैन साधुओं ने एक बड़ी भूख हड़ताल शुरू की थी। उनकी मांग थी कि इस पवित्र तीर्थ स्थल के आसपास चल रही लगभग 250 कसाई की दुकानों को तुरंत बंद किया जाए। इस विरोध प्रदर्शन ने पूरे देश का ध्यान खींचा और सरकार पर दबाव बढ़ गया। साधुओं के कड़े विरोध के बाद गुजरात सरकार ने पालिताना के भीतर मांस और अंडे की बिक्री और जानवरों के वध पर औपचारिक प्रतिबंध लगा दिया। अब यहां अंडा बेचना भी एक दंडनीय अपराध है, जिसके लिए कानूनी सजा का प्रावधान है। यहां शाकाहार केवल एक पसंद नहीं, बल्कि एक कानूनी अनिवार्यता बन चुका है। जैन धर्म में 'अहिंसा' को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। किसी भी जीवित प्राणी को नुकसान पहुंचाना उनके धर्म के विरुद्ध है। पालिताना के जैन समुदाय के लिए यह प्रतिबंध केवल एक सरकारी नीति नहीं थी, बल्कि उनकी 2,500 साल पुरानी आस्था को आधिकारिक मान्यता मिलने जैसा था। उनके लिए यह एक ऐतिहासिक जीत थी।

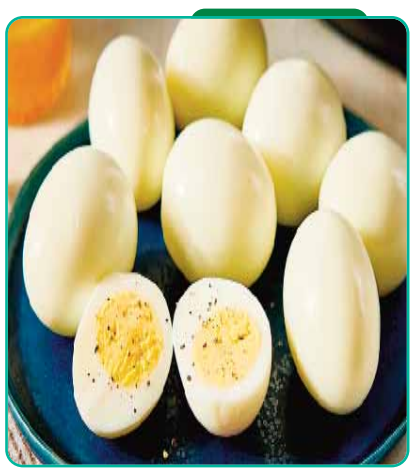

मौत की गोद से लेकर आया ज्ञान अब लोगों को कर रहा मोटिवेट

स्टॉकहोम। मौत ये शब्द सुनते ही सब कुछ रुक-सा जाता है। इंसानों के लिए सबसे बड़ा सच, लेकिन सबसे बड़ा रहस्य भी जिंदा रहते हुए कोई नहीं बता सकता कि मरने के बाद क्या होता है। हम सब बस अंदाजा लगाते हैं, लोगों से कहानियां सुनते हैं, किताबें पढ़ते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो मौत को छूकर वापस आ जाते हैं। ऐसे ही एक शख्स की कहानी इन दिनों स्वीडन से सामने आई है। इनका नाम लासे गुस्टावसन है, जो अपने समय में फायरफाइटर थे, अब मोटिवेशनल स्पीकर हैं। मौत को लेकर उन्होंने अपना ऐसा एक्सपीरियंस शेयर किया। जिसे सुनकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। बात 1981 की है। लासे तब सिर्फ 24 साल के थे, जोश से भरे हुए। गोथेनबर्ग के ऑयल हार्बर में गैस लीक की खबर आई तो अपनी टीम के साथ पहुंच गए। फायर ट्रक गैस के बादल के एकदम पास खड़ी थी। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि अगले कुछ सेकंड में क्या होने वाला है। अचानक धमाका। 20 टन प्रोपेन गैस एक साथ फट गई। चारों तरफ आग ही आग। लासे और उनके दोस्त लेइफ ट्रक से कूदे और जान बचाने को भागे। पर लेइफ नहीं बच पाए। लासे का 40% शरीर जल गया-।चेहरा, हाथ, उंगलियां, कान सब। अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने भी हाथ खड़े कर दिए। दो महीने तक कोमा में रहे। जब होश आया तो वजन आधा हो चुका था। शीशे में खुद को देखना भी मुश्किल था। लासे बताते हैं कि उस धमाके के वक्त वो कुछ देर के लिए क्लीनिकली मर चुके थे। यानी दिल रुक गया था। और उसी दौरान उन्होंने कुछ ऐसा महसूस किया जो शब्दों में बताना मुश्किल है। वो कहते हैं कि वो जगह स्वर्ग जैसी थी। एकदम शांत, सुकून भरी। वहां मुझे लगा कि लाइफ का मतलब सिर्फ पैसा या नाम नहीं है। असली चीज है प्यार, दूसरों के लिए दया, और मदद का जज्बा। उनका मानना है कि मौत अंत नहीं है। एक नए चैप्टर की शुरुआत है। ये एक्सपीरियंस उनके लिए टर्निंग पॉइंट बन गया।

ऐसे शुरू किया नया जीवन- सोचो, इतना बड़ा हादसा, चेहरा जल गया, उंगलियां चली गईं। कोई और होता तो टूट जाता, पर लासे ने हार नहीं मानी। 6 साल लगे, पर वो वापस फायर डिपार्टमेंट में ड्यूटी पर लौटे। बाद में रिटायरमेंट के बाद उन्होंने मोटिवेशनल स्पीकिंग शुरू की। आज लासे करीब 70 के हैं।

मृत्यु के निकट का अनुभव

लासे के इस एक्सपीरियंस को नियर डेथ एक्सपीरियंस (मृत्यु के निकट का अनुभव) कहते हैं। आईएएनडीएस जैसी बड़ी संस्थाओं ने उनका केस स्टडी किया है। हाल में कई पॉडकास्ट में उन्होंने अपनी बात खुलकर रखी, जिसके बाद दुनिया भर में फिर से एनडीई पर बहस छिड़ गई है। साइंटिस्ट अभी भी इस पर रिसर्च कर रहे हैं। कुछ डॉक्टर बोलते हैं कि मरते वक्त दिमाग में कुछ केमिकल रिलीज होते हैं, उसी से ऐसे विजन दिखते हैं। वहीं कुछ लोग इसे आत्मा का सफर मानते हैं, पर लासे जैसे लोगों के लिए ये बहस मायने नहीं रखती। वो कहते हैं कि जब आप उसे जी लेते हो, तो वो आपके लिए 100% सच होता है। कोई थ्योरी उसे झुठला नहीं सकती।

रिसर्च

नासा के सैटेलाइट्स ने पकड़ी समुद्र के अंदर की ये खौफनाक हलचल

बिना आहट के आ रही है तबाही पलट सकता है 'मौसम चक्र'

वॉशिंगटन। अटलांटिक महासागर की गहराई में बहने वाला अटलांटिक मेरिडियोनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन करंट तेजी से कमजोर हो रहा है। जब भी हम पर्यावरण संकट या क्लाइमेट चेंज की बात करते हैं, तो हमारे दिमाग में जलते हुए जंगलों, पिघलते हुए ग्लेशियरों या प्लास्टिक से पटे पड़े समुद्र तटों की तस्वीरें कौंध जाती हैं। लेकिन, इस वक्त धरती पर एक ऐसा महा-खतरा मंडरा रहा है जो पूरी दुनिया का मौसम चक्र पलट सकता है, पर इसके पास अपनी कोई तस्वीर नहीं है। हम बात कर रहे हैं अटलांटिक महासागर की गहराई में बहने वाली पानी की विशाल जलधारा अटलांटिक मेरिडियोनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन की। यह सिस्टम इतनी शांति और गहराई में काम करता है कि आधुनिक मीडिया और आम लोगों की नजरों से यह बिल्कुल ओझल बना हुआ है।

ध्यान और समझ के बीच का बड़ा फासला

जब जटिल और न दिखने वाले सिस्टम खबरों में आते हैं, तो कई बार नाटकीय विजुअल्स कहानी के मूल संदेश को ही पीछे छोड़ देते हैं। अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स के जलने से लेकर गहरे समुद्र की हलचल तक, पर्यावरण की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं इंसानी समझ और देखने की क्षमता से परे काम करती हैं। क्लाइमेट जर्नलिज्म आज सिर्फ उन्हीं घटनाओं को तवज्जो दे रहा है जो तुरंत दिखती और महसूस होती हैं। ऐसे में **Amoc** जैसे गंभीर सिस्टम यह याद दिलाते हैं कि जो चीजें हमें दिखाई नहीं दे रही हैं, असल में वही दुनिया को तबाह करने का सबसे बड़ा माद्दा रखती हैं। बता दें, यह रिपोर्ट डरहम यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर कंप्यूटेशनल कॉस्मोलॉजी के सेंटर फॉर एक्स्ट्रागैलेक्टिक एस्ट्रोनॉमी की विजिटिंग रिसर्च फेलो फियोना थॉमसन द्वारा तैयार की गई है। यह आर्टिकल मूल रूप से प्रसिद्ध एकेडमिक और रिसर्च पब्लिकेशन 'बातचीत' में पब्लिश किया गया है।

कमजोर पड़ रही है समुद्र की यह लाइफलाइन?

हालिया वैज्ञानिक शोधों से पता चला है कि यह विशाल समुद्री करंट अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है। अगर यह सर्कुलेशन पूरी तरह रुक गया या बहुत ज्यादा धीमा हो गया, तो इसके परिणाम बेहद भयानक हो सकते हैं। इसके कारण उत्तरी यूरोप में सर्दियों के दौरान तापमान में भारी गिरावट आ सकती है और वहां माइनस 30 डिग्री तक की ठंड पड़ सकती है। इसके साथ ही उष्णकटिबंधीय मानसून का रास्ता बदल सकता है और अमेरिकी पूर्वी तट पर समुद्र का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है।

इस बड़े खतरे का इमेज प्रॉब्लम क्या है?

इतनी बड़ी चेतावनी के बाद भी यह मुद्दा अखबारों या टीवी न्यूज की हेडलाइंस में जगह नहीं बना पाता। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इस संकट का कोई विजुअल चेहरा नहीं है। आधुनिक पत्रकारिता मुख्य रूप से उन तस्वीरों पर निर्भर करती है, जिन्हें सीधे देखा जा सके, जैसे चक्रवात या बाढ़। लेकिन अमॉक समुद्र के हजारों मीटर नीचे बिल्कुल खामोशी से बहता है। कैमरे की मदद से इसकी कोई ऐसी डरावनी तस्वीर नहीं खींची जा सकती जो तुरंत लोगों का ध्यान खींच सके।

मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड में मिला अनोखा रत्न

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने पहली बार मंगल ग्रह के एक उल्कापिंड के अंदर गारनेट नाम का बहुत ही अनोखा और कीमती रत्न खोजा है। साथ ही मंगल ग्रह पर एक बिल्कुल नए तरह की चट्टान का भी पता चला है, जो लाल ग्रह के इतिहास को समझने का नजरिया पूरी तरह से बदल सकती है। वैज्ञानिकों की यह खोज कनाडा के रॉयल ओंटारियो म्यूजियम में रखे मंगल ग्रह के उल्कापिंड के एक छोटे से टुकड़े एनडब्ल्यूए 8171 की जांच के दौरान हुई। शुरुआती केमिकल टेस्ट में वैज्ञानिकों को कुछ अजीब लगा। इसके बाद उन्होंने एडवांस लेजर टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी का प्रयोग किया और इसकी विस्तार से जांच की। जांच में जो सामने आया, उसने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया चट्टान के अंदर गारनेट खनिज मौजूद था। गारनेट एक गहरे लाल रंग का रत्न होता है, जो धरती पर प्राचीन मिस्र और रोमन काल से बहुत ही प्रचलित रहा है। पृथ्वी पर वैज्ञानिक इसका इस्तेमाल जमीन के अंदर होने वाली हलचल, भारी दबाव और तापमान का पता लगाने के लिए करते हैं।

मंगल ग्रह का टाइम कैप्सूल

इस रिसर्च में शामिल यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ के प्रोफेसर जेम्स डार्लिंग के मुताबिक यह नई चट्टान अरबों साल पुराने इतिहास को समेटे हुए एक टाइम कैप्सूल की तरह है। इससे मंगल ग्रह की बनावट को समझने में एक नया मोड़ आएगा. ब्रोक यूनिवर्सिटी की रिसर्चर्स ने बताया कि गारनेट आमतौर पर भारी दबाव और भीषण गर्मी के कारण बनता है। मंगल ग्रह पर ऐसा या तो किसी विशाल उल्कापिंड की टक्कर से हुआ होगा या फिर अंदर से उबलते लावे के बाहर आने से। वैज्ञानिकों को एक छोटा सा शक यह भी है कि हो सकता है यह रत्न मंगल ग्रह का मूल हिस्सा न हो, बल्कि किसी दूसरे अंतरिक्षीय पिंड की टक्कर के कारण मंगल पर पहुंचा हो और फिर वहां से धरती पर आया हो।

भारतीय मूल के अमेरिकी यात्री अनिल अंतरिक्ष में बिताएंगे आठ महीने

वॉशिंगटन। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के एक खास अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा एक भारतीय मूल का नागरिक भी होगा। आने वाले समय में भारतीय मूल के अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अपने पहले अंतरिक्ष मिशन पर जाने वाले हैं। अनिल मेनन 14 जुलाई 2026 को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरेंगे। शुरुआती जानकारी के अनुसार, वह रूसी अंतरिक्ष यान सोयुज एमएस-29 से कजाकिस्चतान के बैकोनूर कोसमोड्रोम से स्पेस के लिए रवाना होंगे। उनके साथ इस मिशन पर रूसी अंतरिक्ष यात्री प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकीना भी रहेंगे, ये तीनों अतंरिक्ष यात्री करीब 8 महीने तक स्पेस स्टेशन पर विभिन्न मिशन को अंजाम देंगे।

चावल की कमजोरी से वैज्ञानिकों ने बनाया जादुई मटेरियल

वॉशिंगटन। अरबों लोगों का पेट भरने वाला चावल में ऐसा गुण मौजूद है, जो सेंसर का भी काम खत्म कर सकता है। वैज्ञानिकों ने चावल में ऐसा कुछ खोजा है, जिसने विज्ञान की दुनिया में तहलका मचा दिया है। वैज्ञानिकों को चावल के दानों में एक बहुत ही अजीब और चौंकाने वाला गुण मिला है। जिससे ऐसा स्मार्ट मटेरियल तैयार किया गया है, जो किसी भी बाहरी दबाव या झटके पर खुद-ब-खुद बिना किसी इलेक्ट्रॉनिक्स के रिएक्ट करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम के रिसर्चर्स ने यह खोज की है, जो मैटर जर्नल में प्रकाशित हुई है।

किसी भी चीज पर जब प्रेशर डाला जाता है, तो वह और मजबूत हो जाती है या उसी स्थिति में रहती है। लेकिन, चावल के साथ ऐसा नहीं है।

कहां होगा इसका इस्तेमाल?

आजकल ऐसे रोबोट्स बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जो इंसानों के लिए सेफ हों। यह मटेरियल भविष्य के रोबोट्स को बिना किसी महंगे सेंसर के इंसानों के साथ सुरक्षित रूप से काम करने में मदद करेगा। इसका इस्तेमाल मेडिकल सर्जरी और रेस्क्यू ऑपरेशन्स में भी किया जा सकता है।

विज्ञान

नासा के वैज्ञानिक भी हुए हैरान!

सालों पहले मरे हुए तारों में अचानक आई जान, होने लगी हलचल

लॉस एंजिल्स। अंतरिक्ष में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्य मिला है, जिसने उनकी उम्मीदों ही बदल गई। पड़ोसी गैलेक्सी एम83 में सालों पहले विस्फोट कर चुके तारों के अवशेष अचानक तेज और धीमी चमक दिखाई दे रही है। 14 साल के डेटा के रिसर्च करने के बाद इस खोज ने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। नासा के वैज्ञानिकों ने एक पड़ोसी गैलेक्सी में फटे हुए तारों के मलबे पर रिसर्च की, तो उन्हें उम्मीद थी कि यह मलबा अब धीरे-धीरे ठंडा होकर गायब हो रहा होगा। लेकिन, हैरानी की बात तो तब हुई, जब पता चला कि कि शांत हुए तारों के अवशेषों में बहुत ही अजीब बदलाव हो रहे हैं।

नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारी पड़ोसी गैलेक्सी में मरे हुए तारों के अवशेषों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आमतौर पर जब कोई तारा फटता है, तो समय के साथ उसकी रोशनी और चमक धीरे-धीरे खत्म होने लगती है। लेकिन इस बार वैज्ञानिकों ने देखा कि इन मरे हुए तारों की चमक अचानक से बहुत ज्यादा घट और बढ़ रही है। यह हैरान करने वाली रिसर्च द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में पब्लिश हुई है।

14 साल के डेटा से खुला राज

इस हैरान कर देने वाली खोज के लिए नासा के वैज्ञानिकों ने चंद्रा एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी का सहाया लिया। उन्होंने पृथ्वी से लगभग 1.5 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर मौजूद मेसियर 83 नाम की गैलेक्सी पर रिसर्च किया। वैज्ञानिकों ने साल 2000 से 2014 के बीच यानी पूरे 14 साल तक जुटाए गए डेटा का बारीकी से रिसर्च किया. इसके बाद जो रिजल्ट सामने आया, वो हैरान करने वाला है। जब कोई बड़ा तारा फटता है, तो उसके बाद गर्म गैसों का एक बादल बच जाता है, जिसे सुपरनोवा रेमनेंट कहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना था कि 100 साल से ज्यादा पुराने हो चुके इन बादलों की एक्स-रे चमक समय के साथ धीमी हो जाएगी। लेकिन, रिसर्च में शामिल 22 एक्स-रे सोर्सेज में से आधे से ज्यादा की चमक में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कैथोलिक यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका की वैज्ञानिक और इस स्टडी को लीड कर रहीं एंड्रिया प्रेस्टविच के अनुसार इतनी बड़ी संख्या में मरे हुए तारों का ऐसा व्यवहार देखना बहुत ही चौंकाने वाला और हैरान कर देने वाला है। एम83 गैलेक्सी हमसे बहुत दूर है, इसलिए अभी इसके पीछे की सटीक कारण जानना थोड़ा मुश्किल है।

जुड़वां तारों का जिंदा बचना

ब्रह्मांड में कई बार दो भारी तारे एक-दूसरे का चक्कर लगाते हैं। जब इनमें से एक तारा फटकर ब्लैक होल या न्यूट्रॉन स्टार बन जाता है, तो उसका साथी तारा जिंदा बच जाता है। ऐसे में ब्लैक होल या न्यूट्रॉन स्टार अपने जिंदा साथी तारे से गैस और मटीरियल खींच रहा होता है। इस खिंचाव और तेज गुरुत्वाकर्षण के कारण वहां बहुत ज्यादा गर्मी पैदा होती है, जिससे तेज एक्स-रे रोशनी निकलती है। दूसरी संभावना यह है कि तारा फटने के बाद जो ब्लैक होल या न्यूट्रॉन स्टार बचा, वह धमाके के समय बाहर फेंके गए अपने ही मलबे को फिर से अपनी ओर खींच रहा हो, जिससे यह चमक पैदा हो रही है। वैज्ञानिक अब इस रहस्य को और गहराई से समझने की कोशिश कर रहे हैं।

'गैर-कानूनी' खनन, 1000 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने गोवा में लौह अयस्क के कथित गैर-कानूनी खनन मामले में 1,023 करोड़ से ज़्यादा की संपत्ति ज़ब्त की है, जिसमें सिंगापुर में मौजूद संपत्तियां भी शामिल हैं। ईडी ने कहा कि सालगाओकर ग्रुप एंड असोसिएट्स द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध लौह अयस्क खनन किए जाने के मामले में धनशोधन अधिनियम के तहत 19 जून को एक अस्थायी आदेश जारी किया गया। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, संलग्न संपत्तियों में भारत में स्थित 99 अचल संपत्तियां (मूल्य 459.10 करोड़ रुपए), सिंगापुर में 31 अचल संपत्तियां (मूल्य 471.32 करोड़ रुपए) और भारतीय कंपनियों में इक्विटी शेयर (मूल्य 93.42 करोड़ रुपए) शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट का था फैसला

ईडी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने 2014 और 2018 के फैसलों में यह माना है कि 22.11.2007 के बाद (नए खनन पट्टे जारी होने तक) गोवा में किया गया सभी खनन अवैध था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि उसकी जांच में पाया गया कि एवीएस ग्रुप ने 2007-12 के दौरान दस खनन पट्टों का संचालन किया और लौह अयस्क के अवैध उत्खनन, बिक्री और निर्यात से 2,492.95 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित आय हासिल की।

मुहर्रम की तैयारियां चरम पर: 60-70 छोटे-बड़े ताजियों का किया जा रहा निर्माण

जबलपुर। हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाले मुहर्रम के अवसर पर शहरभर में तैयारियां अपने चरम पर पहुंच गई हैं। मुहर्रम की 4 तारीख के साथ ही विभिन्न इमामबाड़ों, मस्जिदों और मुस्लिम बस्तियों में अकीदतमंदों की रौनक बढ़ गई है। शहर के कई इलाकों में रोशनी, सजावट, ताजियों और पारंपरिक सवारियों के निर्माण का कार्य जोर-शोर से जारी है।

ताजियों को अंतिम रूप देने में जुटे कारीगर

शहर में इस वर्ष लगभग 60 से 70 बड़े एवं छोटे ताजियों का निर्माण किया जा रहा है। विभिन्न मोहल्लों में कारीगर दिन-रात मेहनत कर ताजियों को आकर्षक स्वरूप देने में लगे हुए हैं। ताजिए हज़रत इमाम हुसैन के कर्बला स्थित रौज़ा-ए-मुबारक की प्रतीकात्मक झांकी के रूप में तैयार किए जाते हैं। मुहर्रम की 10 तारीख को इन ताजियों को पारंपरिक जुलूस के साथ रानीताल कर्बला ले जाकर ठंडा किया जाएगा। इस अवसर पर अकीदतमंद अपने बच्चों को ताजियों के नीचे से निकालकर उनकी सेहत, खुशहाली और सलामती की दुआ करते हैं।

मंडी मदार टेकरी, सुलेमानी मस्जिद, चांदनी चौक, बहोरा बाग, मदार चिल्ला, पम्प

हाउस, रज़ा चौक, लकड़गंज, छुट्टी मियाँ की तलैया, नई बस्ती गाज़ी मियाँ, नया मोहल्ला, बंगाली मस्जिद और चिराग अली मस्जिद सहित अनेक क्षेत्रों में ताजियों का निर्माण तेजी से चल रहा है।

खानकाही मन्नत वाले ताजिए पर उमड़ रही अकीदत

मंडी मदार टेकरी स्थित सूफी बुजुर्ग हज़रत गुल बाबा अशरफी का स्थापित खानकाही मन्नत वाला ताजिया भी अकीदतमंदों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हज़रत मखदूम अशरफ सिमनानी ताजिया कमेटी की देखरेख में यहां व्यवस्थाएं की जा रही हैं। दूर-दराज़ क्षेत्रों से आने वाले जायरीन और अकीदतमंद यहां फातिहा, दुआ और जियारत में शामिल हो रहे हैं। हर साल बड़ी संख्या में लोगों की मन्नत पूरी होती हैं। मुहर्रम के दिनों में यहां विशेष रौनक देखने को मिल रही है। इसी तरह गुलामाने अहले बैत कमेटी नया मोहल्ला द्वारा रखा जाने वाला ताज़िया भी इन दिनों अकीदत का केंद्र बना हुआ है।

मंडी मदार टेकरी क्षेत्र में बाबा कलीम शाह और शमीम शाह अपने खानदानी ताजिए की तैयारियों में व्यस्त हैं। उनके परिवार में पीढ़ियों से ताजियादारी की परंपरा चली आ रही है। अकबर खान सरवर और इनायत अली शाह ने बताया कि इस वर्ष सदर क्षेत्र में 10 ताजिए रखे जा रहे हैं और मुहर्रम की तीन तारीख को हजरत बीबी जैनब कमेटी द्वारा सदर में नजरों नियाज पेश की गई और लंगर तकसीम किया गया, जबकि गढ़ा निवासी नियाज़ मंसूरी के अनुसार गढ़ा क्षेत्र में 12 ताजिये रखे जा रहे हैं।

कलात्मक सवारियां बनीं आकर्षण का केंद्र

संस्कारधानी में मुहर्रम की पहचान बन चुकी कलात्मक सवारियां भी लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। बताया जाता है कि इनकी परंपरा लगभग ढाई सौ वर्ष पुरानी है। सदर क्षेत्र से शुरू हुई यह परंपरा आज शहर के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच चुकी है। गढ़ा क्षेत्र के पुराने मुजावर परिवार परंपरागत शैली में भव्य और आकर्षक सवारियों का निर्माण कर रहे हैं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

दीर्घ सेवा यात्रा को समर्पित सम्मान समारोह संपन्न

वरिष्ठ शिक्षाविदों का हुआ अभिनंदन

जबलपुर। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घकाल तक उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने वाले वरिष्ठ शिक्षाविदों एवं प्रशासकीय अधिकारियों के सम्मान में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर में किया गया। समारोह में शिक्षा जगत से जुड़े अनेक वरिष्ठ प्राध्यापक, प्राचार्य एवं अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग डॉ. पंजाब राव चंदेलकर, डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, डॉ. राजेश तिवारी, डॉ. सुनीता शर्मा तथा डॉ. डी.के. मिश्रा (प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय बरेला) सहित अनेक वरिष्ठ शिक्षाविदों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अल्केश चतुर्वेदी ने की, जबकि आयोजन के संयोजक प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ के संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल रहे।समारोह का संचालन प्राध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान के संवाहक नहीं, बल्कि समाज की भावी दिशा एवं राष्ट्र के भविष्य के निर्माता होते हैं। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से डॉ. शिखा सक्सेना (प्राचार्य, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय), डॉ. समीर शुक्ला (प्राचार्य, होम साइंस महाविद्यालय), प्राध्यापक संघ के संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ला तथा जिलाध्यक्ष डॉ. शैलेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

थैलेसीमिया व सिकलसेल पीड़ितों के लिए आयोजित किया रक्तदान शिविर

एक दर्जन से अधिक रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

जबलपुर। थैलेसीमिया जन जागरण समिति, अथ श्री यथार्थ फाउंडेशन एवं बरगद परिवार के द्वारा थैलेसीमिया एवं सिकलसेल से पीड़ित वॉरियर्स के लिए डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान उन्होंने रक्तदान कर समाज को संदेश दिया कि जिस तरह योग हमें निरोग रखता है, उसी तरह रक्तदान से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष विकास शुक्ला ने बताया कि एक यूनिट रक्तदान से 3 लोगों को जिंदगी मिलती है, थैलेसीमिया एवं सिकलसेल पीड़ित मासूम बच्चों के लिए एक यूनिट रक्त से 15 दिन का जीवन चलता है, इसलिए सभी को हर तीन माह में एवं महिलाओं को हर 4 माह में रक्तदान करना चाहिए। ब्लड एकत्रीकरण का कार्य मेडिकल टीम द्वारा किया गया। इस दौरान योगाचार्य रमाकांत पल्हा, सतेंद्र असाटी, डॉ. बीएस यादव, डॉ. संजय असाटी, डॉ. ऋषि सागर, अंकुर श्रीवास्तव, अनुज तिवारी, नरेंद्र सोहांडा, संजय वासवानी, अमित बर्मन, अतुल केवट, मोहित संघी, कपिल थडानी, विक्की श्रीवास्तव, पंकज खरे आदि मौजूद रहे।

अजजा अधिकारी, कर्मचारी संघ सुको में लंबित निर्णयों पर राष्ट्रपति का ध्यानाकर्षण करेगा

जबलपुर। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी, कर्मचारी संघ (अजाक्स) नगरीय निकाय मप्र की ओर से मप्र के हजारों अनुसूचित जाति, जनजाति शासकीय कर्मचारियों की भावनाओं और उनके संवैधानिक अधिकारों पर राष्ट्रपति महोदया को ध्यानाकर्षण संबंधी ज्ञापन सौंपा जाएगा। बताया गया शासकीय सेवाओं में पदोन्नति में आरक्षण का विषय लम्बे समय से अत्यंत संवेदनशील और जटिल बना हुआ है, इस विषय से संबंधित याचिकाएं मान. सर्वोच्चा न्यायालय के समक्ष विचाराधीन और लंबित हैं। न्याय प्रक्रिया में निरंतर हो रहे विलंब और नीतिगत स्पष्टता के अभाव में प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे और कर्मचारियों के मनोबल पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। कई कर्मचारी बिना पदोन्नति पाए ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे उनके सेवाकाल के वैध लाभ प्रभावित हो रहे हैं। सकारात्मक न्याय की आशा में कलेक्टर को संघ के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर सुरेन्द्र लखेरा, सेखलाल आर्मो, राजू बबन, यशवंत, राजकुमार वर्षे, कमल चौधरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

कादरी नगर इमामबाड़े में जलसा आयोजित

जबलपुर। मुहर्रम शरीफ के अवसर पर गढ़ा मुजावर मोहल्ला स्थित कादरी नगर इमामबाड़े में एक जलसे का आयोजन किया गया। यह आयोजन इमामबाड़े में रखी जाने वाली सवारी के 164 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सैय्यद मकबूल अली कादरी एवं अरशद अली कादरी द्वारा किया गया।

जलसे को संबोधित करते हुए हाजी मकबूल अहमद रज़वी ने हज़रत इमाम हुसैन की शहादत और उनके संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इमाम हुसैन का जीवन त्याग, न्याय, सत्य और मानवता की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित लोगों से इमाम हुसैन द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

इसके पश्चात शहर के वरिष्ठ शायरों ने मनकबत एवं कलाम पेश कर महफ़िल को रूहानी रंग से सराबोर कर दिया। कलाम पेश करने वालों में शेख निज़ामी, मुख्तार नादिर, शकील दिलकश, सलीम वारसी, वासित कादरी, आसिफ नियाजी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कार्यक्रम में पप्पू वसीम खान, हाजी खलील शाह, जमा खान, अकबर खान सरवर, ताहिर खान, मुन्ना शाह, मसरुर अहमद, ऋषभ बाबा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।जलसे के समापन पर सलातो-सलाम पेश किया गया तथा देश की तरक्की, अमन-चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई। इस अवसर पर मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी, सूफ़ी मुबारक कादरी, खलीफा इनायत कादरी एवं जवाहर कादरी, इदरीस कादरी, अफजल कादरी ने सभी अतिथियों का इस्तकबाल करते हुए उनका शुक्रिया अदा किया।कार्यक्रम के दौरान मरहूम सरदार अली कादरी को विशेष रूप से याद किया गया, जिन्होंने इस परंपरा की नींव रखी थी। उपस्थित लोगों ने उनकी निःस्वार्थ सेवाओं को याद करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की।

ज्ञानोदय संस्था का छोटा सा प्रयास प्रशंसनीय

जबलपुर। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की पुत्री का विवाह 25 जून 2026 में संपन्न होना है। इस अवसर पर एमईटीसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ज्ञानोदय स्कूल जबलपुर, परिवार द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए परिवार को आर्थिक सहायता के साथ-साथ विवाह हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। सहायता स्वरूप वस्त्र, बर्तन, उपहार-सामग्री, अनाज, खाद्य-सामग्री, विवाह में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएँ तथा नगद-राशि भी प्रदान की गई। संस्था-परिवार के इस सहयोग से उपरोक्त-परिवार को विवाह की तैयारियों में महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त हुई। इस सामाजिक व महत्वपूर्ण कार्य में संस्था के सभी सदस्यों इंजी. मुकेश साहू, अंशुल साहू का बहुमूल्य-योगदान रहा।

भेड़ाघाट में योग पश्चात लम्हेटा में किया पौधा रोपण

जबलपुर। योग दिवस के अवसर पर 21 जून को नगर परिषद भेड़ाघाट द्वारा एवं आयुष विभाग धुआंधार जलप्रपात पर योग कार्यक्रम रखा गया एवं लम्हेटा घाट भृगु उद्यान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम रखा गया जिसमें अध्यक्ष नगर परिषद भेड़ाघाट चतुर सिंह लोधी संचालक नगरी प्रशासन एवं आवास विभाग के संयुक्त संचालक भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री ओम नारायण दुबे, पार्षद महेश तिवारी, अजय पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विक्रम झरिया, उद्यान प्रभारी लक्ष्मी नारायण दुबे आदि की उपस्थित रही।

केन्ट बोर्ड में पार्षद चुनाव कराने गृह मंत्री व रक्षा मंत्री को भेजा ज्ञापन

जबलपुर। केन्ट सहित प्रदेश की सभी छावनियों में निर्वाचित पार्षदों के नहीं रहने से जन समस्याओं का अम्बार लगा है, जबलपुर केन्ट में हालात कुछ ज्यादा ही खराब हैं। यहाँ भीषण गर्मी में कई इलाकों में पेयजल का संकट लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है, साफ सफाई के नाम पर औपचारिकता निभाई जा रही है। एक तरफ मच्छरों के कारण बीमारियों का खतरा बना हुआ है, वहीं आवारा श्वानों ने लोगों का जीना हराम कर रखा है, मनमानी टैक्स दरों से व्यापारिक व आम नागरिकों में रोष व्याप्त है, लेकिन जनता की गुहार सुनने वाला कोई नहीं है। ऐसे में मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन की मांग है कि जबलपुर सहित सूबे की सभी छावनियों में जल्द पार्षद चुनाव कराने के लिए अधिसूचना जारी की जाए। संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार वाधवानी, एड. भावना निगम, डॉ. अभिषेक जैन, एड. आशीष त्रिपाठी, डॉ. आशीष डेंगरा, एड. रोशन मंध्यानी, डॉ. अशोक मैठवानी ने केन्द्रीय गृह मंत्री व रक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजकर उन्हें जन समस्याओं से अवगत कराया और जल्द ही पार्षद चुनाव कराए जाने की मांग की है।

अथ श्री यथार्थ परिवार ने लगाया योग शिविर

जबलपुर। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अथ श्री यथार्थ परिवार द्वारा एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जबलपुर शहर की विभिन्न सामाजिक एवं सेवा संगठनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। यथार्थ परिवार द्वारा नियमित रूप से संचालित योग कक्षाएं विशाल शिव योग पार्क, विजयनगर एवं अनमोल वाटिका में आयोजित की जाती हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के इस विशेष अवसर पर हजारों की संख्या में स्वास्थ्य साधकों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। साथ जबलपुर की प्रसिद्ध भजन गायक सत्येंद्र साथी के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई, अथ श्री यथार्थ फाउंडेशन द्वारा संचालित योगाभ्यास केवल योग दिवस तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षभर नियमित एवं निःशुल्क रूप से किया जाता है। इस योग सत्र का संचालन योगाचार्य रमाकांत पलहा एवं योगाचार्य अनुज तिवारी द्वारा किया गया। इसके साथ थैलेसीमिया परिवार द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने ब्लड डोनेट किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

अंतरराज्यीय हाइक में जबलपुर के स्काउटर-गाइडर प्रतिनिधियों ने असम की संस्कृति एवं प्राकृतिक धरोहर का किया अध्ययन

जबलपुर। भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश राज्य मुख्यालय भोपाल द्वारा आयोजित अंतर राज्यीय स्काउटर-गाइडर हाइक एवं अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम में जिला जबलपुर के स्काउट एवं गाइड सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाया। यह हाइक कार्यक्रम हाइक सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी एवं जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी के मार्गदर्शन, जिला दल प्रभारी व्हीके झारिया जिला सचिव के नेतृत्व में जबलपुर जिले के प्रतिनिधियों ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजन में श्रीमती मंत्रो एक्का, प्रतिभा दुबे, अंजना वर्मा, अर्चना यादव, ममता सिंह, अंकित दाहिया, प्रवीण मेहरा, मनोज कुमार साहू, रवि शंकर कुमार केवट एवं कमल कुमार लोधी शामिल रहे।हाइक एवं अध्ययन भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने असम राज्य के विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। दल ने गुवाहाटी स्थित प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर के दर्शन कर वहां की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को जाना। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों ने ब्रह्मपुत्र नदी के तटों का अवलोकन कर क्षेत्र की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का अध्ययन किया। प्रतिभागियों ने विश्व प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण कर एक सींग वाले गैंडे सहित अनेक दुर्लभ वन्य जीवों एवं जैव विविधता का अवलोकन किया। साथ ही असम के प्रसिद्ध चाय बागानों का भ्रमण कर चाय उत्पादन की प्रक्रिया एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था में उसके महत्व की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान प्रतिभागियों ने असम की लोक संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, लोक नृत्य, खान-पान एवं सामाजिक जीवन को भी निकट से समझा। कार्यक्रम के दौरान ट्रैकिंग, प्रकृति अध्ययन, समूह गतिविधियां एवं नेतृत्व विकास से जुड़े विभिन्न सत्र आयोजित किए गए, जिनसे प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहयोग की भावना एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का विकास हुआ। जिला संघ अध्यक्ष रिकुंज विज एवं जिला संघ संरक्षक अजय तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को सफल सहभागिता हेतु शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय, साहस एवं नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सोनल ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि अंतर राज्यीय हाइक एवं अध्ययन भ्रमण युवाओं को देश की विविधता, सांस्कृतिक समृद्धि एवं प्राकृतिक धरोहरों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं तथा उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

कृपांक गुप्ता बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

जबलपुर। रांझी निवासी और प्रतिष्ठित व्यवसायी नरेश गुप्ता के सुपुत्र कृपांक गुप्ता ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कृपांक ने देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं में से एक, चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा को अपने पहले ही प्रयास में सफलतापूर्वक पास कर लिया है। इस शानदार सफलता के साथ ही अब उनके नाम के आगे आधिकारिक रूप से 'सीए' जुड़ गया है और वे 'सीए कृपांक गुप्ता' बन गए हैं। कृपांक की इस असाधारण उपलब्धि पर उनके परिवार, मित्रों और पूरे रांझी क्षेत्र में खुशी की लहर है। परिजनों के अनुसार, कृपांक शुरुआत से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं और उन्होंने इस परीक्षा के लिए बिना रुके कड़ी मेहनत की थी। पहले ही प्रयास में मिली इस बड़ी सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और शुभचिंतकों ने गुप्ता परिवार के निवास पर पहुँचकर कृपांक को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जबलपुर में साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।जीआरपी थाना जबलपुर की थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत शुक्ला ने महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, साइबर उत्पीड़न से बचाव और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने जागरूकता और समय पर शिकायत दर्ज कराने के महत्व पर प्रकाश डाला।साइबर विशेषज्ञ सागर उपाध्याय ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, सेफ क्लिक, फिशिंग, सोशल मीडिया फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने ओटीपी, पासवर्ड और बैंकिंग जानकारी साझा न करने तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर जोर दिया।विशेषज्ञों ने मजबूत पासवर्ड रखने, संदिग्ध लिंक से बचने और सुरक्षित वेबसाइटों का उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही साइबर अपराध की स्थिति में हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय प्रबंधन ने अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।